

प्रेषक,

एस0 राजू,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

15 सितम्बर

देहरादून: दिनांक- अमरुत, 2010

शहरी विकास अनुभाग-2 :

विषय:- जवाहर लाल नेहरू शहरी नवीकरण मिशन के अन्तर्गत नैनीताल शहर की सालिड वेस्ट मैाजमेंट हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक तथा व्यय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या 59(1)/P.F.-1/2010-296 दिनांक 5-7-2010 द्वारा नैनीताल शहर की सालिड वेस्ट मैनेजमेंट हेतु ₹ 931.00 लाख की डी0पी0आर0 संस्तुत करते हुए प्रथम चरण के लिए केन्द्रांश की धनराशि ₹ 186.20 लाख अवमुक्त की गयी है, अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्राप्त केन्द्रांश ₹ 186.20 लाख तथा केन्द्रांश की 80 प्रतिशत धनराशि के अनुपात में 20 प्रतिशत देय राज्यांश ₹ 46.55 लाख की धनराशि सहित कुल ₹ 232.75 लाख (₹ दो करोड़ बत्तीस लाख पचहत्तर हजार मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर सम्बन्धित कार्यदायी संस्था अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, नैनीताल को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी। कार्यदायी संस्था द्वारा यथासम्भव धनराशि पी0एल0ए0 में रखी जायेगी तथा आवश्यकतानुसार ही किशतों में आहरित की जायेगी।
2. उक्त धनराशि का उपयोग उन्हीं योजनाओं एवं मदों के लिए किया जायेगा जिन योजनाओं एवं मदों के लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है। किसी भी दशा में धनराशि का व्ययवर्तन किसी अन्य योजना/मद में नहीं किया जायेगा।
3. भारत सरकार के द्वारा स्वीकृत उक्त योजना के कार्य हेतु यह अवश्य सुनिश्चित किया जाय कि उक्त कार्य राज्य सरकार के बजट से धनराशि न दी गयी हो, यदि दी गयी हो तो उस धनराशि को इस अनुमोदित लागत के सापेक्ष व्यय दिखाकर विभागीय बचत से स्वीकृत बजट को शासन को समर्पित कर दी जाय।
4. उक्त परियोजना हेतु सीएसएमसी की बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुसार क्रियान्वयन तथा अन्य निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
5. निर्माण इकाई से कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या 475/XXXVII(7)/2008 दिनांक 15-12-2008 की व्यवस्थानुसार मानक अनुबन्ध निष्पादित करा लिया जायेगा।

6. जे0एन0एन0यू0आर0एम0 योजनान्तर्गत भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन कार्यदायी संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
7. निदेशक, शहरी विकास निदेशालय द्वारा जे0एन0एन0यू0आर0एम0 योजनान्तर्गत अपेक्षित सुधारों के पृथक-पृथक प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराये जायेंगे।
8. स्वीकृत धनराशि के व्यय अथवा निर्माण करने से पूर्व सभी योजनाओं/कार्यों पर संबंधित मानचित्र एवं विस्तृत आगणन गठित कर तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए एवं विशिष्टियों का अनुपालन करते हुए प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा।
9. सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट शासन को उपलब्ध करानी होगी। जिसमें कि भौतिक प्रगति का स्पष्ट उल्लेख होगा। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी और उसके अभियंता पूर्ण रूपेण उत्तरदायी होंगे।
10. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तापुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये, एकमुश्त प्राविधान के विस्तृत आगणन गठित कर लिये जाये, और इन पर यदि किसी तकनीकी अधिकारी के कार्य कराने से पूर्व का अनुमोदन प्राप्त करना नियमानुसार आवश्यक हो तो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उक्त अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये।
11. आगणन में उल्लिखित दरों को विश्लेषण सम्बन्धित विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को पुनः स्वीकृति हेतु अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
12. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
13. कार्य पूर्ण होने पर इस वित्तीय वर्ष में उक्त कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण राज्य सरकार को तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र भी राज्य सरकार एवं भारत सरकार को प्रेषित करा दिया जायेगा। योजना के लिए स्वीकृत धनराशि का मासिक व्यय विवरण भी शासन को प्रेषित कर दिया जायेगा।
14. कार्य को भारत सरकार के द्वारा दी गई प्रशासनिक तथा तकनीकी स्वीकृति की सीमा के अन्तर्गत ही पूर्ण किया जायेगा। इस लागत में कोई वृद्धि वित्त पोषण के पैटर्न से इतर राज्य सरकार के द्वारा अनुमन्य नहीं होगा।
15. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2011 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।
16. उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष-2010-11 के आय-व्यय के अनुदान सं0-13, लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-05-नेशनल अरबन रिनियूअल मिशन-20 सहायक अनुदान/ अंशदान/राज्य सहायता की मद के नामे ₹ 183.87 लाख की धनराशि, अनुदान सं0-30 लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-05-नेशनल अरबन रिनियूअल मिशन-20 सहायक अनुदान/ अंशदान/राज्य सहायता की मद के नामे ₹ 41.90 लाख की धनराशि तथा अनुदान सं0-31, लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा

- पुरोनिधानित योजना-05-नेशनल अरबन रिनियूअल मिशन-20 सहायक अनुदान/
अंशदान/राज्य सहायता की मद के नामे ₹ 6.98 लाख की धनराशि डाला जायेगा।
17. यह आदेश वित्त विभाग के अशा0सं0- 320/XXVII(2)/2010, दिनांक- 12 अगस्त, 2010 में
प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

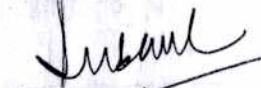
(एस0 राजू)
प्रमुख सचिव।

मा.सं. 166

सं0 (1)/IV-श0वि0-10, तददिनांक।

- प्रतिलिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
1. संयुक्त सचिव/मिशन निदेशक (जेएनएनयूआरएम), शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
 2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तराखण्ड, देहरादून।
 3. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
 4. निजी सचिव, मा0 नगर विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
 5. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
 6. आयुक्त, कुमायू मण्डल, नैनीताल।
 7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
 8. जिलाधिकारी, नैनीताल।
 9. वित्त अनुभाग-2/निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
 10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी0ओ0 में इसे शामिल करें।
 11. अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, नैनीताल।
 12. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
 13. गार्ड बुक।

आज्ञा से,



(सुभाष चन्द्र)
अनु सचिव।